मोह माया को त्याग कर

मोह माया को त्याग कर शरण जो माँ की आये,
माँ के चरणों में उन्हें सुख सारे मिल जाये रे भगतो,
शेरावाली माता तेरी सदा ही जय,

प्राणी जो संसार में माँ का करे गुणगान
अपनी भगती का उन्हें देती माँ वरदान,

ध्यानु जैसे भगत सा अटल जो हो विश्वाश,
कैसे न पूरण करे माँ भगतो की आस,

अष्ट बुजी जगदम्बे माँ जग की पालनहार,
अपनी शक्ति से रचा जिसने ये संसार,

माँ की ममता जानिए माँ जैसा न कोई,
ठेस लगे जो लाल को माँ की आँख ही रोये रे भगतो,

माँ इक तरबर प्यार का शीतल जिसकी छाव,
पीले अमृत प्रेम का धो धो माँ के पाँव,

हाथ दया के देखिये उठे रहे दिन रेन,
कल्याणी करुना मई लेत न इक पल चैन,

जग जननी दया वान माँ उसके रंग हजार,
ना जाने किस रूप में करदे माँ उधार,

कन कन उसका रूप है महिमा उसकी जात,
मन की आँखे खोल के माँ को तू पहचान

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15942/title/moh-maya-ko-tyaag-kar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |